महिदपुर कॉलेज में युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन

महिदपुर। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के निर्देशानुसार आज शासकीय महाविद्यालय महिदपुर, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान महिदपुर, उज्जैन एवं जिला रोजगार कार्यालय उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय जिला स्तरीय युवा संगम का भव्य आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिसर में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चले इस वृहद मेले में क्षेत्र के सैकड़ों बेरोजगार युवाओं और विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस पूरे आयोजन को सफल बनाने और विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने में कॉलेज के स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ

(कैरियर सेल) की भूमिका सराहनीय रही। इस गरिमामयी कार्यक्रम में शासकीय महाविद्यालय महिदपुर के प्राचार्य, स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी, शासकीय आईटीआई के प्राचार्य तथा जिला रोजगार अधिकारी के आपसी समन्वय से विकासखण्ड के समस्त कॉलेजों के विद्यार्थियों को मेले में सम्मिलित होने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही, विद्यार्थियों की सुविधा के लिए ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर्स की विशेष व्यवस्थाएं की गई।

आयोजकों व विभिन्न विभागों के मार्गदर्शन में लगे स्टॉल: मेले में युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के सीधे अवसर देने के साथ-साथ शासन की योजनाओं की जानकारी देने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए।

रोजगार व अप्रेंटिसशिप

जिला रोजगार कार्यालय उज्जैन और शासकीय आईटीआई द्वारा निजी क्षेत्र के नियोजकों को आमंत्रित कर युवाओं को मौके पर ही रोजगार व अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान किए गए। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम भी माननीय आयुक्त महोदय के निर्देशानुसार मनाया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की टीम द्वारा युवाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। कलेक्ट्रेट कार्यालय उज्जैन के मार्गदर्शन में आयोजित इस मेले को सफल बनाने में श्रम विभाग, जनपद पंचायत तथा स्थानीय प्रशासन का भी विशेष सहयोग रहा। नव प्रवेशित विद्यार्थियों के प्रवेश उत्सव का आयोजन भी किया गया।अंत में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ तथा आयोजक समिति द्वारा मेले में पधारे सभी अधिकारियों, नियोजकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया गया।

बीफ कंपनी अल कबीर से हटे नाम, अंतर्राष्ट्रीय कबीर पंथ महासंघ ने दी देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

▶ **628वें प्रकटोत्सव में संतों ने लिए अहम संकल्प, प्राकट्य दिवस पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की उठी मांग**

उज्जैन। सद्गुरु कबीर साहेब के 628वें प्रकटोत्सव के अवसर पर उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित प्रकट नगर में अंतर्राष्ट्रीय कबीर पंथ महासंघ ने अहम बैठक कर कई प्रमुख संकल्प लिए। संतों ने सर्वसम्मति से बीफ कंपनी अल कबीर लिमिटेड के नाम में कबीर शब्द के उपयोग पर घोर आपत्ति जताते हुए इसे तुरंत हटाने की मांग की है। महासंघ ने चेतावनी दी है कि यदि कंपनी का नाम नहीं बदला गया, तो देशभर में चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जवाबदेही सरकार की होगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष परम पूज्य बापू महंत चूड़ामणि साहेब के मुख्य आतिथ्य और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महंत राधाकिशन सोलंकी साहेब की अध्यक्षता में यह बैठक संपन्न हुई। बैठक में संतों ने कहा कि कबीर पंथियों की आस्था सद्गुरु कबीर साहेब से गहराई से जुड़ी है। ऐसे में आराध्य के नाम का उपयोग मांस काटने वाली फैक्ट्री के लिए होना करोड़ों अनुयायियों की भावनाओं को आहत कर रहा है। संतों ने स्पष्ट किया कि यह विरोध किसी राजनीतिक दल या सत्ता के खिलाफ नहीं है, बल्कि अपनी धार्मिक आस्था की रक्षा के लिए है।

इस दौरान महासंघ ने शासन के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें बीफ कंपनी अल कबीर से कबीर का नाम तत्काल प्रभाव से हटाने, सद्गुरु कबीर प्राकट्य दिवस पर प्रतिवर्ष राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने और स्कूली छात्रों की पाठ्यपुस्तकों में कबीर दास के स्थान पर सम्मानजनक रूप से सद्गुरु कबीर साहेब लिखने की मांग शामिल है। महासंघ के राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी शमशेर सिंह जाट और राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि इन मांगों को लेकर देशभर के कबीर पंथ अनुयायी एकजुट हैं। मांगें पूरी नहीं होने पर संगठन राष्ट्रव्यापी स्तर पर उग्र कदम उठाने को मजबूर होगा।

एक नजर में

कुंभ स्नान में मां शिप्रा में गंदा पानी न मिले

उज्जैन। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र सांखला ने कहा कि शिप्रा के घाटों का निर्माण उज्जैन की ऐतिहासिक धरोहर साबित होगा। जब 30 किलोमीटर लंबे घाट पर करोड़ों श्रद्धालु मां शिप्रा में स्नान करेंगे, तो यह विश्व को हमारी संस्कृति का संदेश देगा। इसके लिए मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार का प्रयास सराहनीय है। सांखला ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उज्जैन शहर की दक्षिण-पश्चिम और उत्तर दिशा में उत्तरवाहिनी मां शिप्रा का जल सबसे अधिक प्रभावित होता है। शहर की बसावट ऐसी है कि अधिकांश गंदा पानी सीधे शिप्रा में मिलता है। सुरेंद्र सांखला ने कहा कि खान डायवर्सन का गंदा पानी वर्तमान में सूर्य मंदिर से मात्र 100 मीटर के अंदर छोड़ दिया गया है। सूर्य मंदिर के पास 52 कुंड स्थित हैं जो स्नान की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण हैं। इस स्थान पर गंदे पानी के कारण भयंकर बदबू आती है। खान डायवर्सन का पानी कम से कम सूर्य मंदिर से आधा किलोमीटर आगे छोड़ना उचित रहेगा ताकि 52 कुंड की पवित्रता बनी रहे।

टीबी मरीजों को बांटी 50 पोषण किट

उज्जैन। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर आज्ञा सामाजिक कल्याण समिति की ओर से क्षय (टीबी) रोगियों को 50 पोषण किट वितरित की गई। यह सेवा कार्य संस्था अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपूत की माता स्व. भूरी बाई राजपूत की स्मृति में किया गया। संस्था के सचिव डॉ. प्रिंस कुशवाहा ने जिला क्षय अधिकारी डॉ. अरुण कुशवाहा के मार्गदर्शन में मरीजों को किट प्रदान की। पोषण किट में मरीजों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए चना, मूंगफली, गुड़ और दलिया जैसी पौष्टिक सामग्री शामिल थी। इस दौरान मरीजों को जागरूक करते हुए बताया गया कि नियमित दवाई और सही आहार से टीबी रोग को पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है। चिकित्सक दिवस के उपलक्ष्य में सेवा भारती के मनीष बैरागी ने उपस्थित चिकित्सकों का स्वागत व सम्मान किया। इस अवसर पर चरक अस्पताल और जिला क्षय विभाग का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

जरूरतमंद बच्चों को बांटी शिक्षण सामग्री, 60 पितृ विहीन बालिकाओं का उठाया जिम्मा

उज्जैन। सर्व प्रयास सामाजिक संस्था की उज्जैन शाखा द्वारा शिशु मंदिर स्कूल में शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बाल संस्कार केंद्र के आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद बच्चों को स्कूल बैग, कॉपियां, पेन, कंपास बॉक्स और बिस्किट वितरित किए गए। संस्था की उज्जैन प्रभारी निर्मला शर्मा ने बताया कि संस्था ने 60 ऐसी बालिकाओं के भरण-पोषण की जिम्मेदारी ले रखी है, जिनके पिता नहीं हैं। संस्था द्वारा इन बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, त्योहार और विवाह तक में आर्थिक मदद की जाती है। इसके अलावा महिला सशक्तिकरण के तहत महिलाओं को सिलाई, ब्यूटी पार्लर और मेहंदी का प्रशिक्षण दिया जाता है तथा रोजगार के लिए सिलाई मशीन भी भेंट की जाती है। संस्था की नागदा, उज्जैन, महिदपुर सिटी, घट्टिया, घोसला, खाचरौद, महिदपुर रोड और गुजरात के वडोदरा में शाखाएं हैं। इनसे देशभर की सैकड़ों महिलाएं जुड़कर जरूरतमंद बच्चों की मदद कर रही हैं। मीडिया प्रभारी मीना पंड्या ने बताया कि कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में संस्था की संस्थापक एवं अध्यक्ष ज्योति शर्मा बृजवासी, संस्थापक एवं महासचिव कुमुद पायल ओझा, विद्यालय की प्राचार्य प्रतिभा, अनुराधा गुर्जर, संगीता भारद्वाज, अनीता पंड्या और चेतना उपाध्याय मंचासीन थीं। कार्यक्रम का संचालन रीना मकवाना ने किया। आयोजन को सफल बनाने में सह प्रभारी शशि धूत, संगठन मंत्री मीना पंड्या, सह संगठन मंत्री स्वाति तारे, उषा जाट, शोभा, मेघना, भारती, संतोष भारद्वाज, अनीता शर्मा, मनोरमा सोनी, हंसा तिलोरिया, पुष्पा शर्मा, भारती भारद्वाज और प्रियंका मकवाना का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बालिकाएं और अभिभावक उपस्थित रहे।

चिकित्सक दिवस पर माधव क्लब में डॉक्टरों का सम्मान, विशेषज्ञों ने दिए सेहत के टिप्स

उज्जैन। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर श्री माधव क्लब के स्विमिंग पूल परिसर में शहर के सेवाभावी चिकित्सकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। क्लब के सचिव और सदस्यों ने डॉक्टरों को मोती की माला और श्रीफल भेंट कर उनकी सेवाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस दौरान उपस्थित चिकित्सकों ने बारिश के मौसम में बीमारियों से बचाव और स्वस्थ रहने के सुझाव भी साझा किए। समारोह में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुधीर गवारिकर ने कहा कि निरोगी रहने के लिए हर महिला-पुरुष को अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर नियमित रूप से लगभग एक घंटे व्यायाम जरूर करना चाहिए। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज गुप्ता और डॉ. लोकेश तेजवानी ने बताया कि बारिश के मौसम में छोटे बच्चों पर वायरल फीवर और सर्दी-जुकाम का अत्यधिक असर होता है। ऐसे में बच्चों का विशेष ध्यान रखें और उन्हें भीड़ वाले क्षेत्रों में ले जाने या बारिश में भीगने से बचाएं। वहीं, प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप चौरसिया ने मानसून में आंखों में जलन, आंखें आना और खुजली जैसी बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। माधव क्लब के वरिष्ठ सदस्य एवं स्विमिंग पूल प्रबंध समिति के सदस्य सुनील हुकमचंद कछवाय ने बताया कि क्लब के सचिव कैलाश माहेश्वरी और सदस्यों द्वारा डॉ. सुधीर गवारिकर, डॉ. संदीप चौरसिया, डॉ. नीरज गुप्ता, डॉ. राकेश सोनकर, डॉ. लोकेश तेजवानी, डॉ. जितेंद्र भटनागर और डॉ. जुझार हुसैन का आत्मीय सम्मान किया गया। इस अवसर पर क्लब के मांगीलाल बाहेती, प्रकाश मोटवानी, विष्णु गोयल, राकेश दीक्षित, रितेश धारीवाल, वीके गोयल, प्रदीप सोमानी, आनंद अग्रवाल, आनंद गहलोत और अजीत सिंह ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित थे।

लैंक्सेस भारत में शुरू करेगा फायर-रेसिस्टेंट हाइड्रॉलिक फ्लुइड्स का स्थानीय उत्पादन

नागदा। ग्लोबल स्पेशियलिटी केमिकल्स कंपनी लैंक्सेस ने गुजरात के झागड़िया स्थित अपने संयंत्र में फायर-रेसिस्टेंट हाइड्रॉलिक फ्लुइड्स (एफआरएचएफ) के स्थानीय उत्पादन की घोषणा की है। कंपनी का कहना है कि यह पहल उसकी वैश्विक विकास रणनीति में भारत की भूमिका को और मजबूत करेगी। साथ ही लोकल-फॉर-लोकल रणनीति और मेक इन इंडिया के प्रति उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

कंपनी के अनुसार, झागड़िया में उत्पादन शुरू होने से वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त रीओल्यूब फॉस्फेट एस्टर-आधारित फायर-रेसिस्टेंट हाइड्रॉलिक फ्लुइड्स भारत, मध्य पूर्व (आईएमईए) तथा अन्य प्रमुख

वैश्विक बाजारों के ग्राहकों तक अधिक तेज़ी और सुगमता से पहुंच सकेंगे। लैंक्सेस लंबे समय से इस क्षेत्र में अग्रणी रही है और परिचालन सुरक्षा एवं विश्वसनीयता की आवश्यकता वाले उद्योगों को अपने वैश्विक अनुभव के आधार पर समाधान उपलब्ध कराती रही है। कंपनी ने बताया कि भारत में ऊर्जा क्षेत्र, विशेषकर पावर जनरेशन, डेटा सेंटर और एआई आधारित तकनीकों में बढ़ते निवेश के कारण फायर-रेसिस्टेंट हाइड्रॉलिक फ्लुइड्स की मांग लगातार बढ़ रही है। लैंक्सेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं ग्लोबल हेड (बिजनेस यूनिट लुब्रिकेंट एडिटिव्स) नीलांजन बनर्जी ने कहा कि भारत में रीओल्यूब फायर-रेसिस्टेंट हाइड्रॉलिक फ्लुइड्स का स्थानीय उत्पादन कंपनी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे ग्राहकों के और निकट पहुंचने, आपूर्ति व्यवस्था को अधिक विश्वसनीय बनाने तथा वैश्विक स्तर के उच्च-प्रदर्शन उत्पाद स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

कंपनी के अनुसार, झागड़िया में उत्पादन शुरू होने के साथ हाल ही में ठाणे में स्थापित एप्लीकेशन डेवलपमेंट सेंटर भी स्थानीय तकनीकी सहायता और ग्राहक सहयोग को मजबूत करेगा। इन निवेशों के माध्यम से लैंक्सेस भारत में अपना स्थानीय नेटवर्क सुदृढ़ करते हुए बेहतर सप्लाई सुरक्षा, तकनीकी सहयोग और वैश्विक स्तर पर प्रमाणित समाधानों की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।

डॉक्टर्स डे पर मध्यप्रदेश गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन का शुभारंभ

उज्जैन। 1 जुलाई डॉक्टर्स डे के अवसर पर मध्यप्रदेश के शासकीय चिकित्सकों के लिए एक नए और आधुनिक संगठन के औपचारिक शुभारंभ की घोषणा की गई है। संगठन ने स्वयं को शासन का सहयोगी, पेशेवर ज्ञान साझेदार और स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए कार्य करने वाले मंच के रूप में प्रस्तुत किया है। संगठन के अनुसार यह पारंपरिक चिकित्सक संगठनों से अलग डिजिटल-फर्स्ट, एविडेंस-बेस्ड, पारदर्शी और शासन समर्थक मॉडल पर कार्य करेगा। इसका उद्देश्य केवल चिकित्सकों की समस्याओं को उठाना नहीं, बल्कि प्रदेश की शासकीय स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक मजबूत, जवाबदेह, संवेदनशील और परिणामोन्मुख बनाने में रचनात्मक सहयोग देना है।संगठन ने कहा कि मध्यप्रदेश का सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र जिला अस्पतालों, सिविल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप-स्वास्थ्य संस्थाओं के व्यापक नेटवर्क पर आधारित है। इस व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत प्रदेश के चिकित्सक, विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक, नव-नियुक्त डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी हैं, जो सीमित संसाधनों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में लगातार सेवाएं दे रहे हैं। नव-नियुक्त और सेवारत चिकित्सकों के लिए मार्गदर्शन एवं क्षमता विकास।

जल गंगा संवर्धन अभियान एवं लोक कल्याण मेले का समापन

महिदपुर। नगर पालिका परिषद महिदपुर ने 30 जून 2026, मंगलवार को कन्या शाला स्कूल परिसर में जल गंगा संवर्धन अभियान एवं लोक कल्याण मेले का भव्य समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष नानी बाई माली एवं विशिष्ट अतिथि मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजा यादव, स्कूल प्राचार्य अर्जुन दावरे रहे। कार्यक्रम में पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत लाभान्वित 87 पथ-विक्रेताओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

मुख्य अतिथि ने हितग्राहियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वनिधि योजना से स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर बन रहे हैं और डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिल रहा है। सभी हितग्राहियों एवं उपस्थित स्कूली बच्चों को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत

फलदार एवं छायादार पौधों का वितरण किया गया। जल है तो कल है की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। समापन अवसर पर अतिथियों एवं विद्यार्थियों द्वारा स्थानीय शासकीय स्कूल परिसर में सामूहिक पौधारोपण किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि अभियान अवधि में नगर में कुल 1100 से अधिक पौधों का रोपण, जल संरचनाओं की साफ-सफाई का कार्य कराया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका पार्षदगण, गणमान्य नागरिक, स्वनिधि हितग्राही, स्कूली बच्चे एवं निकाय के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्कूल स्टॉफ उपस्थित रहे।

यूएन विमेन ने सराहा मप्र का सुरक्षित पर्यटन मॉडल

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा विजन के तहत चल रही महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। भोपाल में आयोजित विशेष सत्र में यूएन विमेन इंडिया की कंट्री रिप्रेजेंटेटिव शोको इशिकावा ने इस मॉडल की तारीफ की। इस महत्वपूर्ण बैठक में उज्जैन को प्राथमिकता देते हुए उज्जैन संकुल की संस्था सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च एंड डेवलपमेंट कार्ड की परियोजना समन्वयक अमृता चतुर्वेदी ने भी विशेष रूप से सहभागिता की।

आत्मविश्वास और कौशल ने जीता दिल: सत्र के दौरान शोको इशिकावा ने परियोजना के तहत प्रशिक्षित बालिकाओं से सीधा संवाद कर उनके अनुभव और उपलब्धियां जानीं। उन्होंने बालिकाओं के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और

कौशल की तारीफ करते हुए कहा कि यह पहल सुरक्षित और समावेशी पर्यटन के वैश्विक दृष्टिकोण को साकार करने का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी ही इस परियोजना की सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर यूएन विमेन इंडिया की कंट्री डिप्टी रिप्रेजेंटेटिव कांता सिंह और स्टेट रिप्रेजेंटेटिव जोयत्री राय भी उपस्थित रहीं। अध्यक्षता अभय अरविंद बेडेकर ने की। मप्र पर्यटन बोर्ड से डॉ. आलोक चौबे और डॉ. रंजना मिश्रा भी बैठक में मौजूद रहे। संवाद के दौरान परियोजना से जुड़ी महिलाओं और बालिकाओं ने अतिथियों को अपने हाथ से निर्मित स्मृति चिन्ह, फैब्रिक ज्वेलरी और फेंगशुई कलाकृतियां भेंट कीं। इन उत्पादों ने स्थानीय कला के साथ यह भी दर्शाया कि महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

नवीन सत्र का शुभारंभ पौधारोपण से, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए पौधे

उज्जैन। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पौधारोपण के साथ किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में वट, आम एवं आंवला के पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज रोपे गए पौधे जिस प्रकार समय के साथ विकसित होकर वृक्ष बनेंगे, उसी प्रकार महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाली छात्राएँ भी ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व के विकास के साथ समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने छात्राओं से इन पौधों के संरक्षण का संकल्प भी दिलाया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी मोनिका परमार के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अजय भार्गव, डॉ. महेंद्र जैन, डॉ. कविता जैन मंगलम, इंदु बंसल, डॉ. अंजना बुंदेला, डॉ. स्मिता देराश्री, डॉ. आनंद सिंदल, मीरा यादव, डॉ. मधु खंडेलवाल, डॉ. एकता दुबे सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

उत्कृष्ट कार्य के लिए नगर परिषद तराना सम्मानित

तराना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रदेशभर में संचालित जल गंगा संवर्धन महाअभियान के समापन अवसर पर उज्जैन में आयोजित गरिमामय समारोह में नगर परिषद तराना को जल संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यों के लिए प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान तराना नगर के लिए गर्व, गौरव और प्रेरणा का विषय बन गया है।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन कश्यप ने नगर परिषद तराना के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीरेंद्र कुमार मेहता को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान केवल एक प्रमाण-पत्र नहीं, बल्कि

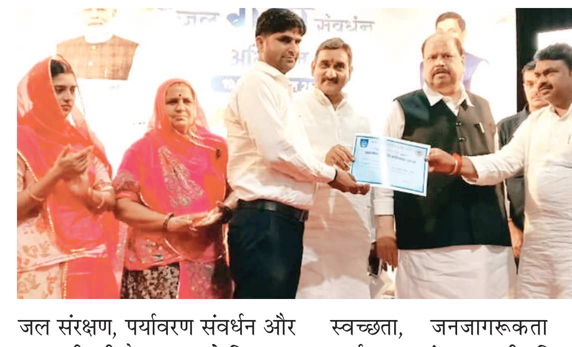

जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और जनभागीदारी के माध्यम से किए गए अनुकरणीय कार्यों की प्रदेश स्तर पर मिली आधिकारिक स्वीकृति है।

जल है तो कल है के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से संचालित इस महाअभियान में नगर परिषद तराना ने जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता, जनजागरूकता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि आज तराना का नाम प्रदेश के उत्कृष्ट कार्य करने वाले निकायों में सम्मानपूर्वक लिया जा रहा है। यह उपलब्धि केवल नगर परिषद की नहीं, बल्कि समस्त तराना नगर की है। यह सम्मान इस बात का प्रतीक है कि जब प्रशासन, जनप्रतिनिधि और नागरिक मिलकर जनहित के कार्यों में सहभागी बनते हैं, तब सफलता स्वयं कदम चूमती है।

इस अवसर पर महापौर मुकेश टटवाल, राजेश धाकड़, कमला कुमार देवड़ा, शिवानी कुमार सोलंकी, ओम राजोरिया, जिला पंचायत के समस्त सदस्य तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। जल गंगा संवर्धन महाअभियान में प्राप्त यह सम्मान तराना के लिए एक नई उपलब्धि है, जो भविष्य में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के प्रति और अधिक समर्पण तथा जनसहभागिता के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

एक नजर

बावड़ी का रंगरोगन कर पुष्प मालाओ से सजा कर उत्सव मनाया

बरसात का पानी अधिक से अधिक अपने गांव में रोके

बड़नगर। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान का विधिवत समापन बावड़ी उत्सव मना कर किया जा रहा है। परंतु प्रत्येक व्यक्ति को बरसात का जल अधिक से अधिक अपने गांव में रोकने का प्रयास निरंतर करना है।

उक्त विचार ग्राम हाथिया खेड़ी में आयोजित विकासखंड स्तरीय बावड़ी उत्सव कार्यक्रम के दौरान जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक रेणुका श्रोत्रिय ने व्यक्त किए। सरपंच महेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि सरकार ने यह अभियान आमजन की जन जागरूकता के लिए चलाया है। परिषद ने धरातल पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियां की है इसके लिए पूरी टीम बधाई की पात्र है। गांव से पटेल साहब भगवान सिंह भाटी ने कहा की यह अभियान आज समाप्त हो रहा है पर यहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी को समझ कर अधिक से अधिक पानी बचाने का प्रयास करते हुए पौधारोपण कर जल संचय के लिए कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम को नवांकुर संस्था के अध्यक्ष इंदर सिंह

भाटी ने भी संबोधित करते हुए संस्था द्वारा किए गए कार्यो से अवगत करवाया कार्यक्रम के दौरान अतिथि गणों ने बावड़ी का पूजन कर पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में पंचायत सचिव शिव प्रसाद मंडलोई नवांकुर संस्था से फूलदास बेरागी दिलीप चोधरी मेन्टस आशुतोष शर्मा प्रस्फुटन समिति से कुलदीप सिंह डा जाटवा जी शक्ति भाटी रंगोली सजावट हर्षिता जोशी अनीता लाढू माया और सभी महिलाएं सहयोगी रही प्रस्फुटन समिति सदस्य, नवांकुर संस्था प्रतिनिधि, मेंटर्स एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं ग्रामीण जन एवं नवांकुर सखियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में महिलाओं ने शिव मंदिर से बावड़ी तक कलश यात्रा निकाली एवं कार्यक्रम स्थल पर भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन मैंटर अर्जुन सिंह डोडिया ने किया एवं आभार प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष भीम सिंह ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के पूर्व छात्राओं ने बावड़ी के आसपास रंगोली बनाई एवं पुष्पमालाओं से सजाया गया।